Ans. (a) : लोद्रुवा जैन मंदिर के लिए प्रसिद्ध है। यह राजस्थान में जैसलमेर के पास स्थित लाद्रुवा जैन मंदिर, 23वें तीर्थकर पार्श्वनाथ की समर्पित है। यह काक नदी के तट पर स्थित है।

1048. विभीषण का मन्दिर अवस्थित है-

(a) कैथून (कोटा) (b) भीनमाल (जालौर)
(c) खेड़ (बाड़मेर) (d) भादरिया (जैसलमेर)

Kanisht Abhiyanta (Civil) 18.05.2022

Ans. (a) : राजस्थान के कैथून (कोटा) में विभीषण का मंदिर अवस्थित है। प्रति वर्ष होली पर यहाँ मेला आयोजित होता है। यह तीसरी से चौथी शताब्दी पूर्व का मंदिर है।

1049. लटियाल माता का मन्दिर राजस्थान में किस स्थान पर अवस्थित है?

(a) घाणेराव में (b) फलोदी में
(c) जसोल में (d) हडवेचा में

Kanisht Abhiyanta (Civil)-18.05.2022

Ans. (b) : लटियाल माता का मन्दिर राजस्थान के फलोदी (जोधपुर) में स्थित है। शीतलेश्वर मंदिर, झालरापाटन (झालावाड़) में स्थित है। ब्रह्मा मंदिर, पुष्कर (अजमेर) में स्थित है। शिलादेवी मंदिर, आमेर (जयपुर) में स्थित है। तनोट देवी का मंदिर, तनोट(जैसलमेर) में स्थित है।

1050. 'ब्रह्माणी माता का मन्दिर' स्थित है-

(a) धौलपुर (b) उदयपुर
(c) कोटा (d) बारां

Live Stock Assistant (Tsp Area)- 16.10.2016

Ans. (d) – ब्रह्माणी माता का मन्दिर बारां जिला मुख्यालय से 28किमी0 दूर सोरसेन मे स्थित है। इसे सोरसन माताजी मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। यह विश्व का पहला मंदिर है जहाँ देवी विग्रह के पृष्ठ भाग की पूजा होती है। सोरसेन ब्रह्माणी माता के मन्दिर पर प्रतिवर्ष एक बार शिवरात्रि के अवसर पर गर्दभ मेले का आयोजन होता है।

1051. शीतला माता का मुख्य मन्दिर कहाँ अवस्थित है?

(a) आमेर (b) चाकसू
(c) सांगानेर (d) विराट नगर

कनिष्ठ अनुदेशक (मैकेनिक डीजल इंजन)-2018

Ans. (b) – राजस्थान के जयपुर जिले के चाकसू गाँव में शील डूँगरी पर शीतला माता का मंदिर है। इसका निर्माण जयपुर के भूतपूर्व महाराजा श्री माधोसिंह ने कराया था। शीतला को बच्चों की संरक्षिका मानते हैं ऐसी मान्यता है कि चेचक का प्रकोप माता की रूष्टता के कारण होता हैं इस मंदिर में चैत्र कृष्ण अष्टमी को मेला लगता है।

1052. उदयपुर स्थित एकलिंगजी मन्दिर का निर्माण किस महाराणा के समय हुआ था।

(a) बप्पा रावल (b) जयसिंह
(c) मोकल (d) कुम्भा

कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक परीक्षा -2019
कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत) (डिप्लोमाधारक)-2020

Ans. (a) – उदयपुर स्थित एकलिंगजी मन्दिर का निर्माण 8वीं शतब्दी में उदयपुर के शासक बप्पा रावल द्वारा किया गया था। यह मंदिर शिवजी को समर्पित है। एकलिंगजी को मेवाड़ रियासत का शासक देवता माना जाता है। उल्लेखनीय है कि मूल मंदिर को मुस्लिम आक्रान्ताओं द्वारा विनिष्ट कर दिया गया था जिसे राणा हमीर सिंह, राणा कुम्भा आदि शासकों ने पुनः निर्मित कराया था।

1053. राजस्थान के किस जिले में प्रसिद्ध 'एकलिंगजी' का मन्दिर स्थित है?

(a) उदयपुर (b) कोटा
(c) अजमेर (d) जयपुर

कनिष्ठ अनुदेशक (मैकनिक रेफ्रिजरेशन) 2018

Ans. (a) – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

1054. धौलागढ़ देवी का मंदिर किस जिले में स्थित है?

(a) करौली (b) भरतपुर
(c) बून्दी (d) अलवर

कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल) संयुक्त भर्ती परीक्षा-2020

Ans. (d) – धौलागढ़ देवी का मंदिर अलवर जिले में स्थित है। अलवर को राजस्थान का सिंह द्वार कहा जाता है।

1055. माण्डव ऋषि की तपोस्थली मापडकला के 16 प्राचीन मन्दिर स्थित है-

(a) बीकानेर में (b) धौलपुर में
(c) जोधपुर में (d) टोंक में

JEN Mechanical Diploma 21.8.2016

Ans. (d) – माण्डव ऋषि की तपोस्थली मापडकला के 16 प्राचीन मंदिर टोंक में स्थित है। टोंक में बिसालदेव मंदिर, चौहान शासक विग्रहराज चतुर्थ द्वारा बनवाया गया था। यहाँ पर दिग्गी कल्याण जी का मंदिर स्थित है।

1056. राजस्थान में 'भूमिज शैली' का सबसे पुराना मंदिर है?

(a) पाली जिले का सेवाडी जैन मंदिर
(b) रामगढ़ का भण्ड देवरा मंदिर
(c) मैनाल का महानालेश्वर मंदिर
(d) डूंगरपुर का सोमनाथ मंदिर

JEN Civil Diploma 21.08.2016

Ans. (a) – राजस्थान में 'भूमिज शैली' का सबसे प्राचीनतम मंदिर पाली जिले के सेवाडी का जैन मंदिर है। (स्थापत्यकाल लगभग 1010-20 ई0).

→ भूमिज शैली का दूसरा महत्वपूर्ण मंदिर महानालेश्वर का मंदिर है। (स्थापत्यकाल लगभग 1075ई0) जो पंचरथ और पंचभूम में है।

→ भूमिज शैली मंदिर निर्माण की नागर शैली की एक उपशैली है।

1057. राजस्थान में 'मामा भान्जा का मन्दिर' स्थित है-

(a) बाँसवाड़ा (b) डूँगरपुर
(c) जोधपुर (d) कोटा

JEN Civil Degree Exam Date - 16.10.2016

Ans. (b) – श्री मल्लिनाथ नेमिनाथ-मामा भान्जा दिगम्बर जैन मंदिर राजस्थान के डूँगरपुर में स्थित है।

1058. निम्न में किसे 'राजस्थान का खजुराहो' कहा जाता है?

(a) सास-बहु मंदिर, नागदा
(b) किराडू का मंदिर, बाड़मेर
(c) महानलेश्वर मंदिर, मैनाल
(d) एकलिंगजी मंदिर, उदयपुर

VDO-2021 Exam Date 28.12.21 Shift-III

Ans. (b) – बाड़मेर का किराडू मंदिर, खजुराहों शैली से समानता रखता है। इसलिए इसे राजस्थान का खजुराहों मंदिर कहा जाता है। इसी प्रकार उदयपुर का अंबिका मंदिर भी खजुराहों शैली से समानता के कारण ''मेवाड़ के खजुराहों'' नाम से प्रसिद्ध है।